नई दिल्ली। माननीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह,भारत सरकार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. लक्ष्मी।

नई दिल्ली। माननीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी,भारत सरकार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. बहन। साथ हैं ब्र.कु. सविता।

नागपुर महा.। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अध्यक्ष श्री मोहन भागवत जी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. वर्षा।

शिपिंग एविएशन एंड टूरिज़्म का राष्ट्रीय सम्मेलन

संकल्प में भी कभी निगेटिव भाव न आये, सदा सकारात्मक रहें

ज्ञानसरोवर। विश्वपति त्रिवेदी, आई.ए.एस.,चेयरमैन,नेशनल शिपिंग बोर्ड,भारत सरकार दिल्ली ने शिपिंग एविएशन एंड टूरिज़्म विंग द्वारा 'चैलेंजिंग द चैलेंजेज़' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि परिवहन का क्षेत्र सेवा का क्षेत्र है। जब मैं शुरू में इंडियन एयरलाइंस की सेवा में आया, तब से अब तक भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की। लेकिन साथ ही तनाव का स्तर भी बढ़ता ही गया, इसका उपाय सिर्फ आध्यात्मिकता में ही हो सकता है।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए विश्वपति त्रिवेदी, ब्र.कु. करुणा, अंजी रेड्डी, जी.के. चौकियाल, ब्र.कु. मीरा, ब्र.कु. कमलेश, ब्र.कु. पीयूष तथा अन्य।

ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि संकल्प में कभी भी निगेटिव भाव न आये, सदा सकारात्मक रहेंगे तो सब कुछ ईज़ी हो जायेगा। जीवन में लाइट और माइट है तो सब कुछ राइट होगा। हम एवर रेडी और एवर हैप्पी रहें। हम भगवान के मैसेंजर धीरज, शांति, प्रेम व रूहानियत से हर कार्य में सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा ने कहा कि आध्यात्मिकता का भौतिक जीवन में समावेश ही सुखमय जीवन का आधार है।

तेलंगाना टूरिज़्म के ज्वाइंट डायरेक्टर अंजी रेड्डी ने बताया कि समस्या के समय भी यदि हम समाधान पर ध्यान केन्द्रित करें तो विपरीत परिस्थिति को भी हम लाभ की स्थिति में बदल सकते हैं।

जी.के. चौकियाल,एक्ज़ीक्युटिव डायरेक्टर,एयर इंडिया अथॉरिटी ने कहा कि वायु सेवाएं बहुत ही चुनौतिपूर्ण रहती हैं। ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़कर मैंने यह अनुभव किया कि राजयोग मेडिटेशन जीवन के हर क्षेत्र के लिए बहुत ही आवश्यक है।

ब्र.कु. मीरा,उपाध्यक्ष,शिपिंग एविएशन एंड टूरिज़्म विंग ने कहा कि चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें शांत मन की आवश्यकता है। जीवन के प्रति जो आशावादी होता है वह चुनौतियों को सहजता से पार करता है। प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. कमलेश ने सभी का स्वागत किया।

राजयोग मेडिटेशन से दूर भागता है डायबिटीज़

डायमण्ड प्रोजेक्ट में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा अनुपम सलाह

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाए जा रहे डायमंड प्रोजेक्ट ऑफ डायबिटीज़ मैनेजमेंट के सात दिवसीय चौथे ट्रेनिंग प्रोग्राम में गुजरात से आये सत्तर से अधिक डायबिटीज़ के मरीजों ने भाग लिया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को आध्यात्मिक ज्ञान, राजयोग मेडिटेशन, एक्सरसाइज़, डाइट आदि के बारे में विशेषज्ञों द्वारा गहराई से बताया गया। साथ ही खान पान से डायबिटीज़ को कैसे नियंत्रित करें इसकी ट्रेनिंग भी प्रैक्टिकल में कराई गई। पिछले ट्रेनिंग में कई डायबिटीज़ मरीजों में आश्चर्यजनक परिवर्तन आया था और उनकी शुगर का लेवल एक सप्ताह के अंदर ही आधा रह गया था।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. डॉ. बनारसी लाल शाह, डॉ. प्रताप मिड्ढ़ा, डॉ. शांति, डॉ. श्रीमंत साहू तथा अन्य।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मीडिया विंग के अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा ने कहा कि डायबिटीज़ को हल्के में न लें। किसी भी बीमारी को दूर करने के लिए जागरुकता और खानपान के नियमों का पालन ज़रूरी है। प्रयास करें कि ये बीमारी न हो, लेकिन यदि हो गई हो तो पूरी सावधानी बरतें।

ग्लोबल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. प्रताप मिड्ढ़ा ने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान की कमी और देहभान के कारण हम इंद्रियों पर नियंत्रण नहीं कर पाते। आत्माभिमानी स्थिति व्याधियों पर नियंत्रण करने का साधन है।

मेडिकल विंग के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. डॉ. बनारसी लाल शाह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य देश को डायबिटीज़ मुक्त करना है। राजयोग मेडिटेशन, सही खानपान और व्यायाम का ध्यान रखने से हम इससे मुक्त हो सकते हैं।

आंध्र प्रदेश से आईं डॉ. शांति ने इस पूरे प्रोजेक्ट के बारे में सभी को जानकारी दी। भावनगर गुजरात से आईं सबज़ोन इंचार्ज ब्र.कु. तृप्ति ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन एक ऐसी अचूक औषधि है जो सभी बीमारियों का इलाज कर सकती है। संस्थान में ऐसे हज़ारों भाई बहनें हैं जिन्होंने राजयोग के प्रयोग से असाध्य से असाध्य बीमारियों को दूर किया है।

रचनात्मक जीवनशैली हो

इस प्रोजेक्ट के सूत्रधार व संयोजक, ग्लोबल हॉस्पिटल के डॉ. श्रीमंत साहू ने कहा कि हमारी जीवनशैली में सकारात्मक चिंतन, मेडिटेशन, व्यायाम और रचनात्मक कार्य शामिल हों। सदा खुश रहें और दूसरों को खुशियां बांटें। शरीर में बीमारी का कारण हमारे मन के विचार हैं। शोध में सामने आया है कि डायबिटीज़ का एक सबसे बड़ा कारण मानसिक तनाव भी है। राजयोग मेडिटेशन से हमारा जीवन सुखमय बन जाता है।

दिव्य नगरी प्रोजेक्ट से बच्चे बन रहे प्रतिभाशाली

स्लम एरिया के बच्चों के लिए चल रहा ये कार्यक्रम

रीवा-म.प्र. । ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा प्रादेशिक दिव्य नगरी प्रोजेक्ट के उद्घाटन अवसर पर अहमदाबाद से आईं ब्र.कु. ईशिता ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से जो बच्चे झुग्गी झोपड़ियों में रहते हैं वे भी चाहें तो अपने सत्कर्मों के द्वारा आदर्श जीवन के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व का नेतृत्व कर सकते हैं। कोई भी मनुष्य जन्म से नहीं, कर्मों से महान बनता है।

ब्र.कु. निर्मला के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए आमंत्रित मेहमान।

मुरैना से आईं ब्र.कु. रेखा ने कहा कि निरालानगर दिव्य नगरी के बच्चे जिस प्रकार से अपने जीवन को अच्छा बना रहे हैं इससे सिद्ध होता है कि ये भविष्य में बड़े प्रतिभाशाली बच्चे बनेंगे। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्षा श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से बच्चों का व्यक्तित्व विकास हो रहा है और हमारे ये बच्चे अवश्य ही आगे चलकर देश का नाम रोशन करेंगे।

कार्यक्रम में रेडक्रॉस की वाइस चेयरमैन डॉ. सुशीला दुबे, मेजर डॉ. विभा श्रीवास्तव ने कहा कि इन बच्चों को जैसी शिक्षा व संस्कार दिये जा रहे हैं, इससे उनकी प्रतिभा में अवश्य निखार आयेगा। कार्यक्रम में कल्याण अधिकारी केन्द्रीय जेल रीवा डी.के. सारस, डॉ. सरोज सोनी, अविराज चौथवानी तथा तहसीलदार राजेश शुक्ला ने शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उद्योगपति वीरभद्र सिंह, समाजसेवी इंजी केसी जैन, प्रहलाद सिंह, राजकुमार टिलवानी के साथ साथ दिव्य नगरी निरालानगर के बच्चे व उनके अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में ब्रह्माकुमारी संस्थान की क्षेत्रीय प्रमुख ब्र.कु. निर्मला ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। वहीं दिव्य नगरी परियोजना के प्रति महाराजा पुष्पराज सिंह तथा मेडिकल कॉलेज की डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. एच.पी. सिंह ने भी इस प्रोजेक्ट के प्रति अपनी शुभकामनाएं दीं।

दो दिवसीय मधुर मधुमेह जनजागृति कार्यक्रम

धमतरी-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के सिविल लाईन सेवाकेन्द्र पर मधुमेह के रोगियों के लिए आयोजित दो दिवसीय 'समग्र स्वास्थ्य शिक्षा कैम्प मधुर मधुमेह' में माउण्ट आबू से आये डॉ. वल्सलन नायर ने कहा कि जिस तेज़ी से भारत में मधुमेह रोग फैल रहा है, ये चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि केवल अपनी जीवनशैली को संयमित एवं नियमित कर दिनचर्या और खान पान में कुछ बातों पर ध्यान रखें तथा राजयोग मेडिटेशन को भी शामिल कर हम मधुमेह को नियंत्रित कर सकते हैं। पूर्व विधायक हर्षद मेहता ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि विशेषज्ञों की सलाह से अपनी जीवनशैली को नियंत्रित करने से मुझे स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. वल्सलन नायर, पूर्व विधायक हर्षद मेहता, डॉ. वरिन्दर नन्दा, ब्र.कु. सरिता तथा अन्य।

डॉ. वरिन्दर नन्दा ने कहा कि मधुमेह रोग को साइलेन्ट किलर कहते हैं। इसके मरीजों की बढ़ती संख्या चिंताजनक है। ऊँचा मनोबल, परमात्म शक्ति, आहार विहार विचार और संयमित दिनचर्या द्वारा निश्चित ही इस रोग को नियंत्रित किया जा सकता है।

ब्र.कु. सरिता ने कहा कि जीवन में स्वाद और स्वास्थ्य का संतुलन अति आवश्यक है। वर्तमान समय लोगों ने स्वाद को महत्व दिया, जिस कारण अस्वस्थता बढ़ती जा रही है। इस अवसर पर नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ. उत्तम कुमार कौशिक, आयुर्वेदिक डॉक्टर के.एल. चन्द्राकर आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. जागृति ने किया।

RNI NO. RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SRO/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Sep 2018
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं अमर उजाला प्रेस द्वारा मुद्रित।